उपकार

न्यू प्रैक्टिस वर्क बुक

नवोदय विद्यालय

प्रवेश परीक्षा

लेखकगण

डॉ. शर्मा, गोयल

एवं

जे. पी. दीक्षित

उपकार प्रकाशन, आगरा

Introducing Direct Shopping

Now you can purchase from our vast range of books and magazines at your convenience :

- Pay by Credit Card/Debit Card or Net Banking facility on our website *www.upkar.in* *OR*
- Send Money Order/Demand Draft of the print price of the book favouring 'Upkar Prakashan' payable at Agra. In case you do not know the price of the book, please send Money Order/Demand Draft of ₹ 100/- and we will send the books by VPP (Cash on delivery).

(Postage charges FREE for purchases above ₹ 100/-. For orders below ₹ 100/-, ₹ 20/- will be charged extra as postage)

© प्रकाशक

प्रकाशक

उपकार प्रकाशन

हैड ऑफिस : 1 स्टेट बैंक कॉलोनी, निकट खन्दारी, आगरा-मथुरा बाई-पास, **आगरा**–282 005

रजि. ऑफिस : 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर (शाह सिनेमा के सामने), **आगरा**–282 002

फोन : 2530966, 2531101

E-mail : care@upkar.in, **Website :** www.upkar.in

ब्रांच ऑफिस :

4845, अन्सारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन : 011–23251844,
43259035

पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना–800 004
फोन : 0612-2303340

16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(यूनियन बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036 (तेलंगाना)
फोन : 040–24557283

8-310/1, ए. के. हाउस,
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)
मोबा. : 7060421008

- *इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी त्रुटि के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा.*
- *इस पुस्तक को अथवा इसके किसी अंश को बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के, किसी भी रूप–फोटोग्राफी, विद्युत-ग्राफिक, यान्त्रिकी अथवा अन्य रूप में किसी भी प्रकार से उपयोग के लिए नहीं छापा जा सकता है.*
- *किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल आगरा ही होगा.*

ISBN : 978-81-7482-013-6

Code No. 49

मुद्रक : उपकार प्रकाशन (प्रिंटिंग यूनिट) बाई-पास, आगरा

दो शब्द

नेशनल काउंसिल ऑफ एजूकेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग (NCERT) द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय स्तर पर एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन किया जाता है जिसके परिणाम के आधार पर देश के नवोदय विद्यालयों की कक्षा-VI में प्रवेश दिया जाता है. इन विद्यालयों के घोषित उद्देश्यों में 'प्रतिभाशाली छात्रों के पूर्ण विकास के लिए श्रेष्ठ शिक्षा को सुलभ कराना' भी है. अतः इस परीक्षा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या अत्यधिक होने के साथ-साथ उनका बौद्धिक स्तर भी ऊँचा ही होता है. इतनी बड़ी संख्या के प्रतिभागियों में से चयन करने की सुविधा की दृष्टि से परीक्षा का स्तर स्वाभाविक रूप से कुछ कठिन रखा जाता है. यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि वस्तुनिष्ठ प्रकार की इस परीक्षा में ***तीव्र गति एवं शुद्धता*** *(Speed and accuracy) की ही निर्णायक भूमिका होती है.*

परीक्षार्थियों की उपर्युक्त आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उपकार प्रकाशन ने अपनी 'नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा' के अतिरिक्त अब इस परीक्षा के लिए ***'न्यू प्रैक्टिस वर्क बुक'*** *प्रकाशित कराई है. यह विशेष रूप से बहुउपयोगी है तथा अपनी तकनीकी पद्धति के आधार पर तैयार कराई गई है. इस वर्क बुक के लिए परीक्षा प्रश्न-पत्रों के नए पैटर्न तथा नवीनतम पाठ्यक्रम को आधार बनाया गया है. प्रश्नों के हल के सम्बन्ध में उपयोगी संकेत तथा व्याख्याएँ भी दी गई हैं. अपने स्वयं के अभ्यास के द्वारा तीव्र गति (Speed) तथा शुद्धता (Accuracy) द्वारा लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रचुर मात्रा में मॉडल टेस्ट दिए गए हैं. आप यह स्मरण रखें कि अधिक-से-अधिक प्रैक्टिस से ही सफलता की ओर अग्रसर हुआ जा सकता है. आपके इसी उद्देश्य के लिए प्रस्तुत वर्क बुक तैयार कराई गई है.*

प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए पुस्तक प्रकाशन के दीर्घकालीन अनुभव के आधार पर प्रस्तुत प्रैक्टिस वर्क बुक को परीक्षा के नवीनतम पैटर्न के अनुरूप बनाया गया है जिसमें प्रत्याशियों की प्रत्येक प्रकार की कठिनाई को ध्यान में रखा गया है. इसकी उपयोगिता से हम आपको पूर्णतः आश्वस्त करना चाहते हैं कि यह आपके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में निःसन्देह सहायक होगी.

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आपकी स्वर्णिम सफलता की शुभकामनाओं सहित.

— लेखकगण

विषय-सूची

- मॉडल 1 3–11
- मॉडल 2 12–20
- मॉडल 3 21–29
- मॉडल 4 30–38
- मॉडल 5 39–47
- मॉडल 6 48–56
- मॉडल 7 57–65
- मॉडल 8 66–73
- मॉडल 9 74–81
- मॉडल 10 82–90
- मॉडल 11 91–99
- मॉडल 12 100–108
- मॉडल 13 109–117
- मॉडल 14 118–127
- मॉडल 15 128–136
- मॉडल 16 137–145
- मॉडल 17 146–154
- मॉडल 18 155–163
- मॉडल 19 164–172
- मॉडल 20 173–181
- मॉडल 21 182–189
- मॉडल 22 190–196
- मॉडल 23 197–204
- मॉडल 24 205–211
- मॉडल 25 212–219

परीक्षा सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी

परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अनुसार भारत सरकार ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रारम्भ किए थे. ये सह-शिक्षा वाले आवासीय विद्यालय हैं. जिन्हें एक स्वायत्त संगठन नवोदय विद्यालय समिति के जरिए भारत सरकार द्वारा सम्पूर्ण वित्तीय सहायता प्राप्त है. नवोदय विद्यालयों में दाखिले, नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के माध्यम से कक्षा 6 में किए जाते हैं. इन विद्यालयों में कक्षा 8 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा है और इसके बाद कक्षा 9 से गणित और विज्ञान के लिए अंग्रेजी माध्यम और सामाजिक विज्ञान के लिए हिन्दी माध्यम है. नवोदय विद्यालयों में छात्रों को निःशुल्क आवास, भोजन, यूनीफार्म एवं पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जाती हैं, परन्तु कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों से मात्र ₹ 600 प्रतिमाह विद्यालय विकास निधि के लिए लिया जाता है. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बालिकाओं एवं उन छात्रों जिनके अभिभावक गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करते हैं, को इस शुल्क से छूट प्रदान की गई है. जिनके अभिभावक सरकारी कर्मचारी हैं, उनसे ₹ 1500 प्रतिमाह लिया जाएगा.

योजना के उद्देश्य

(i) विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों को, श्रेष्ठ गुणवत्तायुक्त आधुनिक शिक्षा के साथ सशक्त सांस्कृतिक घटक एवं मूल्यपरक शिक्षा, पर्यावरण के प्रति चेतना, साहसिक क्रियाओं एवं शारीरिक शिक्षा प्रदान करना है.

(ii) यह सुनिश्चित करना कि छात्र तीन भाषाओं में तर्कसंगत स्तर की दक्षता प्राप्त कर सकें.

(iii) विद्यार्थियों की प्रवास नीति (हिन्दी से अहिन्दी भाषी तथा अहिन्दी से हिन्दी भाषी राज्यों में) के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना.

(iv) अनुभवों और सुविधाओं की सहभागिता के द्वारा विद्यालयीय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु प्रत्येक जनपद में केन्द्र बिन्दु के रूप में सामान्य सेवाएँ प्रदान करना.

आवेदन की विधि

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया–

(क) ज.न.वि. प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को सरलीकृत कर दिया गया है. नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट www.navodaya.gov.in के प्रवेश पोर्टल पर जाकर निःशुल्क पंजीयन किया जा सकता है. चयनित अभ्यर्थियों के निवास, उम्र, पात्रता आदि का सत्यापन परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत किया जाएगा.

(ख) योग्य अभ्यर्थी जिस विद्यालय में कक्षा–5 में पढ़ रहा हो, के प्रधानाध्यापक/प्राचार्य के द्वारा विधिवत भरा हुआ प्रमाण-पत्र, के साथ अपने माता-पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर एवं स्वयं के हस्ताक्षर व फोटोग्राफ अपलोड करें. संलग्नक जे.पी.जी. प्रारूप में अपलोड करें, जिसका आकार 10–100 के.बो. मात्र हो.

(ग) एन.आई.ओ.एस. अभ्यर्थी होने की दशा में अभ्यर्थी के पास 'ब' प्रमाण-पत्र होना चाहिए और उसी जिले का निवास प्रमाण-पत्र होना चाहिए. जहाँ वह प्रवेश चाहता/चाहती है.

(घ) ऑनलाइन प्लेटफार्म/मंच खुला माध्यम एवं निःशुल्क है. आवेदन-पत्र किसी भी माध्यम जैसे–डेस्कटॉप, लेपटॉप, मोबाइल, टैबलेट इत्यादि से भरा जा सकता है.

(ङ) सभी जवाहर नवोदय विद्यालयों में अभ्यर्थियों/अभिभावकों की सहायता हेतु निःशुल्क आवेदन अपलोड करने के लिए सहायता केन्द्र उपलब्ध होंगे. माता-पिता अपने पाल्य (अभ्यर्थी) के साथ और वांछित प्रमाण-पत्र जैसे–प्रधानाध्यापक द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र, फोटो और एस.एम.एस. तथा पासवर्ड एवं पंजीयन संख्या प्राप्त करने हेतु वैध मोबाइल नम्बर, मोबाइल फोन के साथ पंजीयन प्रक्रिया हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय के सहायता केन्द्र पर सम्पर्क कर सकते हैं.

प्रवेश-पत्र जारी करना

1. आवेदन पोर्टल पर निर्धारित तिथि से प्रवेश-पत्र उपलब्ध होंगे, जिसे अभ्यर्थी/माता-पिता द्वारा ज.न.वि.प्र.प. संचालन से पूर्व निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है.

पात्रता

नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए पात्रता के मानदण्ड निम्नलिखित हैं :

सभी अभ्यर्थियों के लिए

* अभ्यर्थी उसी जनपद के ज.न.वि. के लिए आवेदन कर सकता है, जिस जिले के सरकारी/सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में वर्तमान शैक्षिक सत्र के दौरान कक्षा–5 में पढ़ रहा है.

* प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी का जन्म निर्धारित तिथि से पहले या बाद का नहीं होना चाहिए. यह अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समेत सभी अभ्यर्थियों पर समान रूप से लागू होगी. अभ्यर्थी के प्रमाण-पत्र में दर्ज आयु एवं अधिक उम्र के सन्देह होने पर उसको प्रवेश दिए जाने के समय मेडिकल बोर्ड से आयु की प्रमाणिकता हेतु जाँच कराई जाएगी और मेडिकल बोर्ड का निर्णय अन्तिम होगा.
* निर्धारित चयन परीक्षा के बैठने वाले अभ्यर्थी को उसी जिले, जहाँ वह प्रवेश लेना चाहता/चाहती है, के किसी सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/अन्य मान्यता प्राप्त अथवा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान से योग्यता 'प्रमाण-पत्र—ब' सहित पूर्ण शैक्षिक सत्र के दौरान कक्षा 5 में अध्ययनरत् होना चाहिए. सरकार अथवा सरकार की ओर से अधिकृत किसी एजेन्सी के द्वारा मान्यता प्राप्त घोषित विद्यालय को ही मान्यता प्राप्त माना जाएगा. वे विद्यालय, जिनके छात्र एन.आई.ओ.एस. (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान) से योग्यता प्रमाण-पत्र 'ब' प्राप्त किए हों, उन्हें एन.आई. ओ.एस. (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए. छात्र का वर्तमान सत्र में सफलतापूर्वक कक्षा 5 पूर्ण किया होना चाहिए. इसी स्थिति में वह कक्षा 6 में अगले सत्र में वास्तविक प्रवेश पा सकेगा.
* ग्रामीण क्षेत्र के कोटे से प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/ मान्यता प्राप्त विद्यालय से कक्षा–3, 4 और 5 में प्रत्येक वर्ष एक पूर्ण शिक्षा सत्र में अवश्य पढ़ाई की हो एवं उत्तीर्ण हुआ हो.
* अभ्यर्थी, जिन्होंने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान से 'ब' प्रमाण-पत्र दक्षता सहित निर्धारित तिथि तक या उससे पूर्व उत्तीर्ण की है, वे भी इस परीक्षा में बैठने के पात्र हैं, अगर वे निर्धारित आयु सीमा में हों. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान' के प्राधिकृत केन्द्रों/संस्थाओं के छात्रों की ग्रामीण स्थिति का निर्धारण उस जिले के तहसीलदार अथवा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के आधार पर किया जाएगा जिसमें यह लिखा गया हो कि छात्र पिछले तीन वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रहा है. नगरीय एवं अधिसूचित क्षेत्रों से पढ़ने वाले छात्र जो उपर्युक्त योजनाओं में अध्ययन कर रहे हों, वे ग्रामीण कोटे के अन्तर्गत प्रवेश के पात्र नहीं होंगे.
* उन जिलों के लिए जहाँ कि जवाहर नवोदय विद्यालय प्रारम्भ होने के बाद जिले का विभाजन हुआ है एवं यदि विभाजन से निर्मित जिले में नवीन जवाहर नवोदय विद्यालय नहीं खोला गया हो तो जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में प्रवेश हेतु जिले की पुरानी सीमा के अनुरूप अभ्यर्थियों की पात्रता रहेगी.
* ऐसे अभ्यर्थी, जो प्रोन्नत नहीं किए गए हैं और पाँचवीं कक्षा में निर्धारित से पहले प्रवेश नहीं लिए हैं, वे आवेदन के लिए पात्र नहीं होंगे.
* अभ्यर्थी किसी भी परिस्थिति में चयन परीक्षा में दूसरी बार बैठने के लिए अर्ह नहीं है.

ग्रामीण क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए

(क) प्रत्येक जिले में कम-से-कम 75% सीटें उस जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित अभ्यर्थियों द्वारा शेष सीटें उस जिले के शहरी क्षेत्रों से चुने गए अभ्यर्थियों द्वारा भरी जाएंगी.

(ख) ग्रामीण क्षेत्रों के कोटे के अन्तर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित किसी सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/सरकार द्वारा स्थित किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से बिना किसी कक्षा को पुनरावर्तित किए, अन्तराल व अवरोध के पूरे सत्र तक कक्षाओं 3, 4 व 5 में पढ़ा हुआ होना चाहिए. अभ्यर्थी ने कक्षा-5 में पूर्ण शैक्षणिक सत्र में उसी जिले में अध्ययन किया हो, जहाँ वह प्रवेश चाहता है.

(ग) 'राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान' की योजना के तहत् पढ़ने वाले अभ्यर्थी को जिला अधिकारी/तहसीलदार/खण्ड विकास अधिकारी (बी.डी.ओ.) द्वारा निर्गत इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह ग्रामीण क्षेत्र का निवासी है.

शहरी क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए

ऐसा अभ्यर्थी जो शहरी क्षेत्र में स्थित किसी विद्यालय में कक्षा 3, 4 व 5 में किसी सत्र में एक दिन भी पढ़ लिया है, शहरी अभ्यर्थी समझा जाएगा. शहरी क्षेत्र वे हैं, जो 2011 की जनगणना में अथवा उसके बाद किसी सरकारी अधिसूचना द्वारा निर्धारित किया गया हो. शेष सभी क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र कहलाए जाएंगे.

ट्रांसजेन्डर श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए

ट्रांसजेन्डर श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए अलग से कोई आरक्षण उपलब्ध नहीं है और उन्हें आरक्षण हेतु बालकों की श्रेणी में विभिन्न उप श्रेणियों जैसे–शहरी, ग्रामीण, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग में सम्मिलित किया जाएगा.

स्थानों का आरक्षण

(क) प्रत्येक जिले की कम-से-कम 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्र से चयनित अभ्यर्थियों द्वारा तथा शेष बची सीट जिले के शहरी क्षेत्र से चयनित अभ्यर्थियों द्वारा भरी जाएंगी.

(ख) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चों के लिए स्थान का आरक्षण सम्बन्धित जिले की जनसंख्या के अनुपात में दिया जाता है, किन्तु किसी भी परिस्थिति में एवं किसी भी जनपद में राष्ट्रीय अनुपात (15 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 7·5 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति) से कम तथा 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति और जनजाति को जोड़कर) से अधिक नहीं होना चाहिए यह आरक्षण अन्तर परिवर्तनीय है और खुली वरीयता सूची के अन्तर्गत चयनित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त लागू होगा.

(ग) कुल स्थानों के एक-तिहाई स्थान बालिकाओं द्वारा भरे जाएंगे.

(घ) 3 प्रतिशत स्थान दिव्यांग (अस्थि विकलांग, श्रव्य दिव्यांग एवं दृष्टि दिव्यांग) के लिए आरक्षित हैं.

परीक्षा के बारे में जानकारी

चयन परीक्षा में तीन प्रश्न-पत्र अर्थात् मानसिक योग्यता परीक्षा, अंकगणित परीक्षा और भाषा परीक्षा हैं. यह चयन परीक्षा राज्य/प्रदेश वार विभिन्न भाषाओं में आयोजित की जाएगी जिसकी जानकारी समिति की वेबसाइट पर उपलब्ध है. अभ्यर्थी को उसी भाषा की पुस्तिका दी जाएगी, जो उसने आवेदन-पत्र में लिखी है. अभ्यर्थी अपनी प्रश्न पुस्तिका भली-भांति देख लें कि यह उसी भाषा में है जो उसने अपने आवेदन में लिखी थी. चयन परीक्षा में कुल मिलाकर 80 प्रश्न और पूर्णांक 100 हैं. सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ होंगे.

परीक्षा की संरचना

चयन परीक्षा तीन भागों में विभाजित है जिसमें तीन विभिन्न अनुद्देश्यों सहित तीन विभिन्न परीक्षण सम्मिलित हैं. परीक्षा की कुल अवधि दो घण्टे है. दिव्यांग अभ्यर्थी को 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा. नर्दशों को पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा.

प्रश्न-पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	अंक	समयावधि (मिनट में)
I	मानसिक योग्यता	40	50	60
II	अंकगणित	20	25	30
III	भाषा	20	25	30
योग		80	100	2 घण्टे

उत्तर अंकित करने की विधि

(क) अभ्यर्थी को परीक्षा पुस्तिका के साथ एक उत्तर-पत्रक (ओ.एम.आर.) दिया जाएगा. अभ्यर्थी को केवल उसी उत्तर-पत्रक में उचित स्थान पर अपने उत्तर अंकित करने होंगे. न.वि.स. की वेबसाइट पर उत्तर-पत्रक की नमूना प्रति अपलोड कर दी जाएगी.

(ख) उत्तर अंकित करने के लिए केवल नीले/काले बॉल पाइन्ट पेन का ही प्रयोग करें. अभ्यर्थी अपना बॉल पेन अपने साथ लायें. पेन्सिल का प्रयोग वर्जित है.

(ग) प्रत्येक प्रश्न के लिए चार वैकल्पिक उत्तर होंगे जिसमें केवल एक ही उत्तर सही है. अभ्यर्थी को सही उत्तर का चयन करना है और सही उत्तर को (A, B, C, D) अंक्षर की सहायता से उत्तर शीट पर अंकित करना होगा. उदाहरण के तौर पर प्रश्न सं. 37 के लिए यदि सही उत्तर C है तो उस गोले को उत्तर-पत्रक पर इस प्रकार भरें.

37. 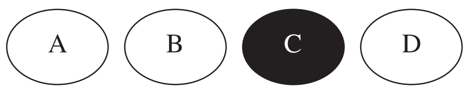

(घ) एक बार अंकित उत्तर को किसी भी दशा में बदलने की अनुमति नहीं होगी. ओ.एम.आर. शीट पर उपरिलेखन (over writing), उत्तर को काटना या मिटाना वर्जित है. ऐसे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा.

(ङ) ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होगा.

परीक्षण का स्वरूप

खण्ड-1 : मानसिक योग्यता परीक्षण

यह पूर्णतः अशाब्दिक परीक्षण है. इसका अर्थ यह है कि इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्न केवल आकृतियों और रेखाचित्रों पर आधारित होंगे. इस परीक्षण का मुख्य प्रयोजन प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की अन्तर्निहित सामान्य मानसिक योग्यता को मापना है.

इस खण्ड के 10 भाग हैं. प्रत्येक भाग में 4-4 प्रश्न होंगे. ये प्रश्न अभ्यर्थियों की विभिन्न योग्यताओं की परख करेंगे.

इन प्रश्नों के कुछ उदाहरण संलग्नक 'क' में दिए गए हैं.

खण्ड-2 : अंकगणित परीक्षण

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों की अंकगणित में मौलिक दक्षता को मापना है. इस परीक्षा के सभी 20 प्रश्न निम्नलिखित विषयों पर आधारित होंगे–

1. संख्या और संख्या पद्धति, 2. पूर्ण संख्याओं पर चार आधारभूत संक्रियाएं, 3. भिन्नात्मक संख्याएं और उन पर चार आधारभूत संक्रियाएं, 4. गुणनखण्ड और गुणांक एवं उनके गुण, 5. संख्याओं का लघुतम समापवर्त्य तथा महत्तम समापवर्तक, 6. दशमलव तथा उन पर आधारभूत संक्रियाएं, 7. भिन्नों को दशमलव में तथा दशमलव को भिन्नों में बदलना, 8. मापन-लम्बाई, द्रव्यमान, धारिता, समय, घन आदि में संख्याओं का अनुप्रयोग, 9. दूरी, समय तथा गति, 10. व्यंजकों का सन्निकटन, 11. संख्यात्मक व्यंजकों का सरलीकरण, 12. प्रतिशतता तथा उनके अनुप्रयोग, 13. लाभ तथा हानि, 14. साधारण ब्याज, 15. परिमाप, क्षेत्रफल तथा आयतन.

टिप्पणी–धारणाओं तथा उससे सम्बन्धित दक्षताओं के बोध तथा उनके अनुप्रयोग के परीक्षण पर अधिक बल दिया जाएगा.

इस तरह के कुछ प्रश्नों के उदाहरण संलग्नक 'ख' में दिए गए हैं.

खण्ड-3 : भाषा परीक्षण

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थी में पढ़ने के बोध को मापना है. इसमें चार गद्यांश हैं. प्रत्येक गद्यांश में 5 प्रश्न हैं. अभ्यर्थी गद्यांश को ध्यान से पढ़कर उन प्रश्नों के उत्तर देगा.

उदाहरण के लिए गद्यांश और सम्बन्धित प्रश्न संलग्नक 'ग' में दिए गए हैं.

अनुदेशों को पढ़ना और नमूने के प्रश्नों का अध्ययन

(क) अभ्यर्थियों को प्रश्नों को हल करने में प्रश्न-पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ और प्रत्येक प्रश्न-पत्र पर दिए गए अनुदेशों को ध्यान से पढ़ना चाहिए. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उत्तर पुस्तिका की भाषा वही है जो उसने चाही है. यदि परीक्षा पुस्तिका अभ्यर्थी द्वारा चाही गई भाषा में न हो तो उसे परीक्षा प्रारम्भ होने से पहले ही अभ्यर्थी बदल लें. यह अभ्यर्थी की जिम्मेदारी होगी कि वह आवेदन-पत्र में दिए गए भाषा विकल्प के अनुसार परीक्षा पुस्तिका प्राप्त करे. परीक्षा समाप्त होने के बाद इस सम्बन्ध में कोई भी अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा.

(ख) एक प्रश्न को हल करने के लिए लगभग एक मिनट का समय है, इसलिए अभ्यर्थी को किसी एक प्रश्न पर बहुत अधिक समय नहीं लगाना चाहिए. यदि किसी प्रश्न का उत्तर देने में कठिनाई आ रही हो, तो उसे छोड़कर अगले प्रश्न पर ध्यान दें. इससे उन्हें समय की बचत करने में सहायता मिलेगी. एक बार सारे प्रश्नों को पूरा कर लेने के बाद वे उन सभी प्रश्नों का उत्तर देने की पुनः कोशिश कर सकते हैं, जो उन्होंने पहली बार छोड़ दिए थे.

(ग) बिना किसी अन्तराल के पूरा समय दो घण्टे होगा. दिव्यांग विद्यार्थियों (भिन्न योग्य) को 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा.

(घ) चूँकि तीनों प्रश्न-पत्रों में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है, इसलिए अभ्यर्थी को सलाह दी जाती है कि वह किसी एक प्रश्न-पत्र पर निर्धारित समय से अधिक समय न लगाए, यद्यपि वह पूरे समय को अपनी इच्छानुसार समायोजित करने में स्वतंत्र है.

(ङ) (i) उपयुक्त प्रवेश-पत्र के बिना अभ्यर्थी को परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा.

(ii) अभ्यर्थी बैठक व्यवस्था के अनुसार निर्धारित कक्ष में 11.00 बजे पूर्वाह्न तक बैठ जाए. देर से आने वाले किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा.

(iii) परीक्षा शुरू होने के बाद निर्धारित समय से पहले किसी अभ्यर्थी को परीक्षा भवन से जाने की अनुमति नहीं मिलेगी.

चयन और प्रवेश हेतु शर्तें

(क) यह एक प्रतियोगी परीक्षा है. इसमें अभ्यर्थी को केवल तीनों परीक्षणों में अलग-अलग उत्तीर्ण ही नहीं होना है, बल्कि वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने के लिए उच्च अंक प्राप्त करने की भी आवश्यकता है.

(ख) चयन परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने पर कोई अभ्यर्थी विद्यालय में प्रवेश का हकदार नहीं हो पाएगा. वास्तविक प्रवेश के समय, प्रत्येक चुने हुए अभ्यर्थी को समिति द्वारा निर्धारित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे.

(ग) विवाद की स्थिति में नवोदय विद्यालय समिति का निर्णय अन्तिम तथा मान्य होगा. परीक्षा का परिणाम निम्नलिखित कार्यालयों में प्रदर्शित कर दिया जाएगा–

(i) जवाहर नवोदय विद्यालय में,

(ii) जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में,

(iii) जिलाधिकारी के कार्यालय में, और

(iv) क्षेत्र की नवोदय विद्यालय समिति के उप-आयुक्त के कार्यालय में.

(v) समिति की वेबसाइट http.//www.navodaya.gov.in पर भी परिणाम प्राप्त कर सकते हैं.

अभ्यर्थी प्रवेश पोर्टल पर भी परीक्षा परिणाम देख सकते हैं. चयनित अभ्यर्थियों को सम्बन्धित जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य द्वारा भी पंजीकृत मोबाइल पर एस.एम.एस. तथा स्पीड पोस्ट से भी सूचना दी जाएगी.

(घ) उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की कोई व्यवस्था नहीं है, क्योंकि परिणाम कम्प्यूटर द्वारा तैयार किया जाता है. इसलिए अंकों का दोबारा जोड़ नहीं लगाया जाएगा, क्योंकि परिणाम तैयार करते समय सभी स्तरों पर पूरी-पूरी सावधानी बरती जाती है.

संलग्नक–क

मानसिक योग्यता परीक्षा

प्रकार I : वर्गीकरण (Classification)

अनुदेश

1 से 3 तक के उदाहरणों में प्रत्येक प्रश्न में चार आकृतियाँ दी गई हैं. चार आकृतियों में से तीन किसी रूप में एक ही हैं और एक भिन्न है. भिन्न आकृति की आकृति अक्षर का पता लगाओ.

उदाहरण 1.

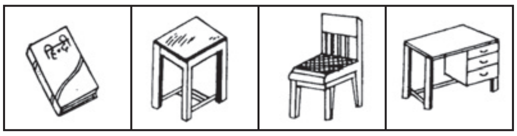

A B C D

तुम देखते हो कि अक्षरांक B, C, D पर दी गई वस्तुएं फर्नीचर हैं, जबकि अक्षरांक A पर दी हुई वस्तु फर्नीचर नहीं है. चूँकि आकृति A शेष तीनों आकृतियों से भिन्न है इसलिए वह सही उत्तर है.

उदाहरण 2.

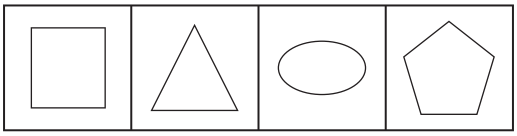

A B C D

यहाँ A, B और D आकृतियाँ सीधी रेखाओं से बनी हैं जबकि C ऐसी आकृति नहीं है. इसलिए आकृति C सही उत्तर है.

उदाहरण 3.

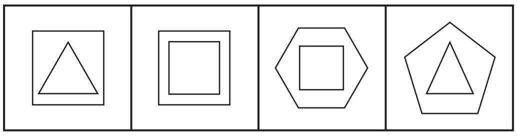

A B C D

आकृतियाँ A, C और D में अन्दर की आकृति बाहर की आकृति से भिन्न है, जबकि आकृति B में अन्दर और बाहर दोनों आकृतियाँ एक-सी हैं. इसलिए आकृति B सही उत्तर है.

प्रकार II : समान आकृति परीक्षण (Similar Figure Test)

अनुदेश

4 से 6 उदाहरणों में रेखा के बाईं ओर एक समस्या आकृति दी गई है. रेखा के दाईं ओर A, B, C, D अक्षरांक वाली 4 उत्तर आकृतियाँ दी गई हैं. इनमें से एक ठीक वैसी ही है जैसी समस्या आकृति. ठीक उत्तर वाली आकृति का पता लगाओ.

उदाहरण 4.

समस्या आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

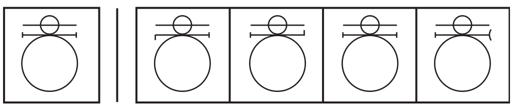

A B C D

उत्तर आकृति C समस्या आकृति जैसी है, इसलिए वह सही उत्तर है.

उदाहरण 5.

समस्या आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

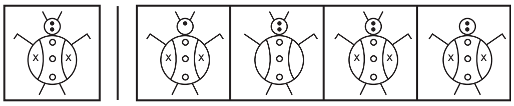

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति-C समस्या आकृति जैसी है. इसलिए आकृति C उत्तर है.

उदाहरण 6.

समस्या आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

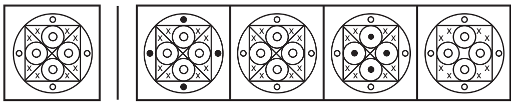

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति B समस्या आकृति जैसी है. इसलिए आकृति B सही उत्तर है.

प्रकार III : छिपी हुई आकृति ज्ञात करना (Spotting out the Embeded Figure)

अनुदेश

उदाहरण 7 से 9 में रेखा के बाईं ओर एक आकृति दी गई है तथा दाईं ओर विकल्प के रूप में चार आकृतियाँ दी गई हैं. दी गई दाईं ओर की आकृतियों में से उस आकृति को पहिचानिए जो किसी भी तरह से छिपी रहती है.

उदाहरण 7.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

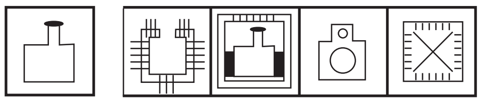

(A) (B) (C) (D)

उत्तर—(B)

व्याख्या—उत्तर आकृति के चारों विकल्पों को देखने से यह पता चलता है कि उत्तर विकल्प (B) में प्रश्न आकृति छिपी हुई है. अतः अक्षरांक (B) उत्तर होगा.

उदाहरण 8.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

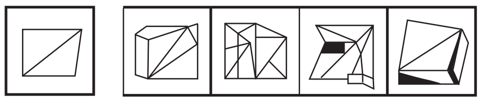

(A) (B) (C) (D)

उत्तर—(D)

व्याख्या—यहाँ दो प्रकार की आकृतियाँ दी गई हैं. एक प्रश्न आकृति है तथा दूसरी उत्तर आकृति. यहाँ प्रश्न आकृति जिसे मूल आकृति कहते हैं, को उत्तर आकृतियों के विकल्पों से खोजना है कि किसमें यह आकृति छिपी हुई है. यहाँ प्रश्न-आकृति में दो त्रिभुज एक साथ जुड़े हैं और इस तरह की आकृति विकल्प (D) में निहित है. जो हमारा उत्तर होगा.

उदाहरण 9.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

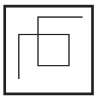

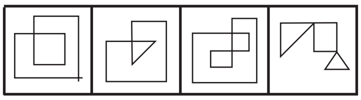

(A) (B) (C) (D)

उत्तर—(A)

व्याख्या–यहाँ प्रश्न आकृति या मूल आकृति उत्तर विकल्प (A) में छिपी हुई है, क्योंकि

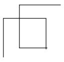 तथा मिलकर उत्तर विकल्प (A) 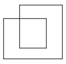 बना

I II

है, जिसमें I मूल आकृति है.

प्रकार IV : आकृति पूर्ण करना (बिना दिशा बदले) (Completion of Incomplete Pattern)

अनुदेश

10 से 12 तक के उदाहरणों में समस्या आकृति है; उसका एक भाग गायब है. नीचे की ओर A, B, C, D से अंकित उत्तर आकृतियों को देखिए. ऐसी उत्तर आकृति को ढूँढ़िए जो बिना दिशा बदले समस्या आकृति में इस प्रकार सही बैठे कि समस्या आकृति का पैटर्न उचित रूप से पूरा हो जाए. जिस उत्तर आकृति को आप सही समझते हैं उसकी आकृति अक्षर का पता कीजिए.

उदाहरण 10.

समस्या आकृति

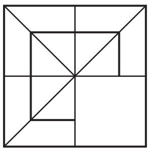

उत्तर आकृतियाँ

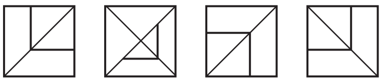

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति D समस्या आकृति की खाली जगह में उसका पैटर्न पूरा करती है. इसलिए आकृति D सही उत्तर है.

उदाहरण 11.

समस्या आकृति

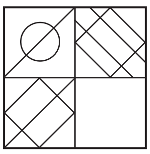

उत्तर आकृतियाँ

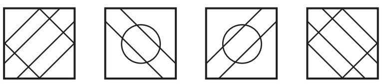

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति B समस्या आकृति की खाली जगह में उसका पैटर्न पूरा करती है. इसलिए आकृति B सही उत्तर है.

उदाहरण 12.

समस्या आकृति

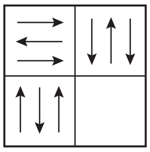

उत्तर आकृतियाँ

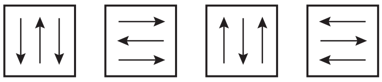

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति D समस्या आकृति की खाली जगह में उसका पैटर्न पूरा करती है. इसलिए आकृति D सही उत्तर है.

प्रकार V : श्रृंखला (Series)

अनुदेश

उदाहरण 13 से 15 में तीन समस्या आकृतियाँ दी गई हैं और चौथी के लिए खाली जगह है. समस्या आकृतियाँ एक क्रम में हैं. ज्ञात करो कि उत्तर आकृतियों में से कौनसी आकृति उस क्रम को पूरा करती है.

उदाहरण 13.

समस्या आकृतियाँ

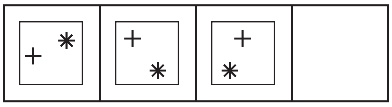

उत्तर आकृतियाँ

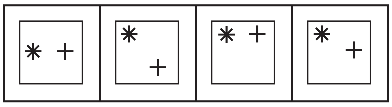

A B C D

इस उदाहरण में + और * चिन्ह एक वर्ग से दूसरे वर्ग तक वर्ग की रेखाओं के साथ विभिन्न रूप में घूम रहे हैं. + एक बार में आधी भुजा का फासला तय करता है, जबकि * पूरी भुजा का फासला तय करता है. इस नियम का पालन करते हुए आकृति C सही उत्तर है.

उदाहरण 14.

समस्या आकृतियाँ

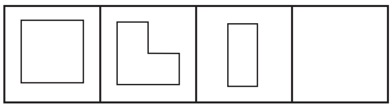

उत्तर आकृतियाँ

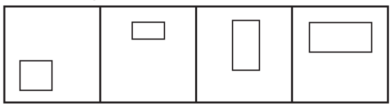

A B C D

इस उदाहरण में अक्षरांक A वाली उत्तर आकृति क्रम पूरा करती है. इसलिए आकृति A सही उत्तर है.

उदाहरण 15.

समस्या आकृतियाँ

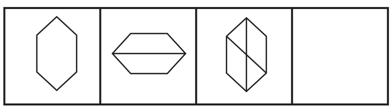

उत्तर आकृतियाँ

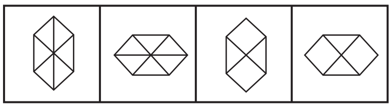

A B C D

इस उदाहरण में आकृति B क्रम को पूरा करती है. इसलिए आकृति B सही उत्तर है.

प्रकार VI : समरूपता (Analogy)

अनुदेश

16 से 18 तक के उदाहरणों में तीन समस्या आकृतियाँ दी गई हैं और चौथी में प्रश्नचिह्न है. पहली दो समस्या आकृतियों में कुछ सम्बन्ध है. इसी प्रकार का सम्बन्ध तीसरी और चौथी आकृति में होना चाहिए. उत्तर आकृति में से एक ऐसी आकृति छाँटो, जो प्रश्नचिह्न के स्थान पर दी जा सके.

उदाहरण 16.

समस्या आकृति

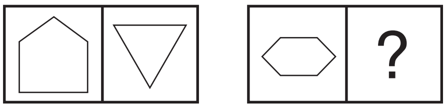

उत्तर आकृतियाँ

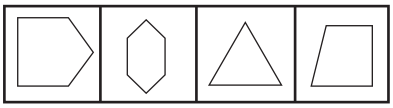

A B C D

ऊपर के उदाहरण में पहली आकृति में पाँच भुजाएँ हैं, जबकि दूसरी में तीन. इस प्रकार पहली और दूसरी आकृतियों की भुजाओं की संख्या में दो का अन्तर है. तीसरी आकृति की छः भुजाएं हैं और पहली और दूसरी आकृतियों के इस सम्बन्ध के आधार पर चौथी आकृति की चार भुजाएँ होनी चाहिए. ऊपर के उदाहरण में से आकृति D ऐसी है. इसलिए आकृति D सही उत्तर है.

उदाहरण 17.

समस्या आकृति

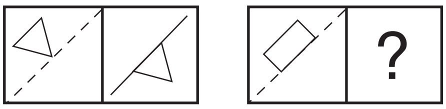

उत्तर आकृतियाँ

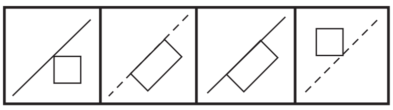

A B C D

पहली और दूसरी समस्या आकृति में कुछ सम्बन्ध है. उस सम्बन्ध को समझो. इसी प्रकार का सम्बन्ध तीसरी समस्या आकृति और उत्तर आकृति C में स्थापित किया जा सकता है. इसलिए आकृति C सही उत्तर है.

उदाहरण 18.

समस्या आकृति

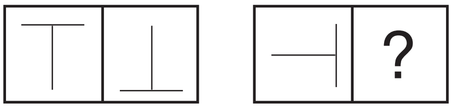

उत्तर आकृतियाँ

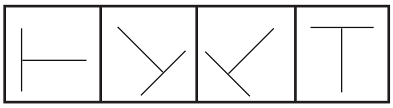

A B C D

पहली और दूसरी समस्या आकृति में कुछ सम्बन्ध है. उस सम्बन्ध को समझो. उत्तर आकृतियों को देखो. इस प्रकार का सम्बन्ध तीसरी समस्या आकृति और उत्तर आकृति A में स्थापित किया जा सकता है. इसलिए आकृति A सही उत्तर है.

प्रकार VII : आकृति पूर्ण करना (ज्यामितीय) [Completion of Incomplete Pattern (Geometrical)]

अनुदेश

19 से 20 तक उदाहरणों में रेखा के बाईं ओर एक ज्यामितीय आकृति (त्रिभुज, वर्ग, वृत्त, चतुर्भुज आदि) का एक भाग बाईं तरफ प्रश्न आकृति के रूप में है तथा दाईं तरफ दी गई चार आकृतियों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई एक उसका दूसरा भाग है. दाईं तरफ दी गई आकृतियों में से वह आकृति ढूँढ़िए जो ज्यामितीय आकृति को पूर्ण बनाती हो.

उदाहरण 19.

प्रश्न आकृति

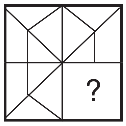

उत्तर आकृतियाँ

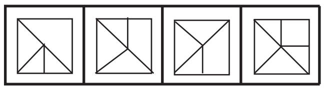

A B C D

उत्तर—(B)

व्याख्या—प्रश्न-आकृति में उत्तर-आकृति (B) को बैठाने पर एक पूर्ण चित्र या पूर्ण आकृति बन जाती है इसलिए उत्तर-आकृति के (B) को उत्तर-आकृति के रूप में देंगे.

पूर्ण आकृति—

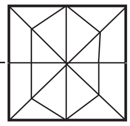

उदाहरण 20.

प्रश्न आकृति

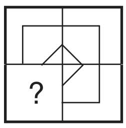

उत्तर आकृतियाँ

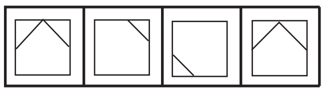

A B C D

उत्तर—(B)

व्याख्या—उत्तर विकल्प (B) पूर्ण आकृति का रूप देगी. पूर्ण आकृति होगी.

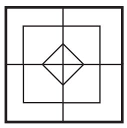

प्रकार VIII : स्पेस विजुअलाइजेशन (Space Visualisation)

अनुदेश

21 से 22 तक के उदाहरणों में एक समस्या आकृति दी गई है तथा दाईं ओर चार उत्तर आकृतियाँ (A), (B), (C) तथा (D) दी गई हैं. इन चार उत्तर आकृतियों में उस उत्तर आकृति को चुनिए जो समस्या आकृति के दिए गए टुकड़ों से बनाई जा सकती है.

उदाहरण 21.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

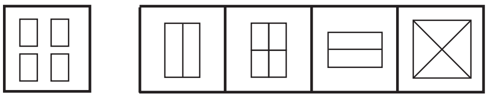

(1) (2) (3) (4)

उत्तर—B

व्याख्या—प्रश्न आकृति चार-आकृतियों से मिलकर एक बॉक्स में है. इनमें चारों को एक साथ मिलाने पर 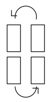 अर्थात् 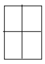 बनेगा जो उत्तर विकल्प B में दिया गया है.

उदाहरण 22.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

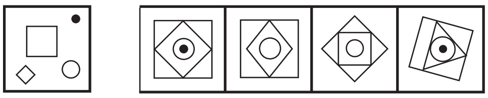

(1) (2) (3) (4)

उत्तर—A

व्याख्या—प्रश्न आकृति चार छोटी-छोटी आकृतियों से मिलकर बनी है तथा इन सबका सम्मिलित रूप उत्तर आकृति के विकल्प A में निहित है.

प्रकार IX : दर्पण प्रतिबिम्ब (Mirror Image)

अनुदेश

23 से 24 तक के उदाहरणों में रेखा के बाईं ओर एक आकृति दी गई है तथा रेखा की दाईं ओर चार आकृतियाँ दी गई हैं. इन दी गई चार आकृतियों में उस आकृति को ढूँढ़ना पड़ता है जो आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब होता है. परीक्षार्थियों को यह जान लेना जरूरी है कि दर्पण प्रतिबिम्ब में बाएं की वस्तु दाएं तथा दाएं की वस्तु बाएं नजर आती है.

उदाहरण 23.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

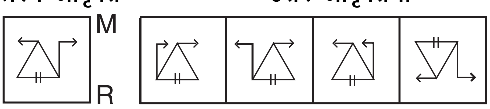

(1) (2) (3) (4)

उत्तर—(B)

व्याख्या—यह प्रश्न-आकृति तीन खण्डों में बँटी है. तीनों का सम्मिलित रूप में दर्पण-प्रतिबिम्ब विकल्प आकृति (B) होगा.

← का दर्पण प्रतिबिम्ब →, का दर्पण प्रतिबिम्ब तथा दर्पण प्रतिबिम्ब होगा.

उदाहरण 24.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

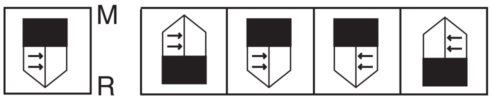

(1) (2) (3) (4)

उत्तर—(C)

व्याख्या—दो आकृतियों से मिलकर बना प्रश्न-आकृति का दर्पण-प्रतिबिम्ब उत्तर विकल्प (C) होगा.

का दर्पण-प्रतिबिम्ब तथा का दर्पण प्रतिबिम्ब होगा.

प्रकार X : पंच नियंत्रित आकृति मोड़ना /खोलना (Punched Hold Pattern—Folding/ Unfolding)

अनुदेश

25 से 26 तक के उदाहरणों में रेखा के बाईं ओर एक आकृति दी गई है तथा रेखा के दाईं ओर चार विकल्प आकृतियाँ दी गई हैं. बिन्दुमय लाइन (Dotted line) मुड़ने की दिशा को सूचित करते हैं. यह आकृतियाँ वृत्त, वर्ग, त्रिभुज, चतुर्भुज आदि हो सकती हैं.

उदाहरण 25.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

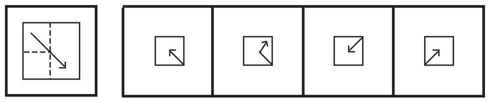

Transparent sheet (1) (2) (3) (4)

उत्तर—(A)

व्याख्या–इस प्रश्न में दिया गया तीर निशान को सूचित करता है. बड़ी Dotted line पहली मुड़ान को तथा छोटी Dotted line दूसरी मुड़ान को निर्देशित करता है. इस प्रकार मुड़ाने पर विकल्प में उत्तर आकृति (A) प्राप्त होगी.

उदाहरण 26.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

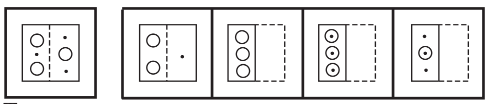

Transparent sheet (1) (2) (3) (4)

उत्तर—(C)

व्याख्या—Dotted line द्वारा पेपर को मोड़ने पर सभी बिन्दु वृत्त के अन्दर चले जाएंगे. इस प्रकार उत्तर विकल्प (C) प्राप्त होगा.

संलग्नक-ख

अंकगणित

उदाहरण 1. (बोध का परीक्षण करना)

1000 का अभाज्य गुणनखण्ड क्या है ?

(A) $10 \times 10 \times 10$

(B) $2 \times 5 \times 5 \times 10$

(C) $2 \times 2 \times 2 \times 5 \times 5$

(D) $2 \times 2 \times 2 \times 5 \times 5 \times 5$

व्याख्या–किसी भी संख्या के गुणनखण्ड को अभाज्य गुणनखण्ड कहते हैं यदि (1) सभी गुणनखण्डों का गुणन (प्रत्येक गुणनखण्डों को उतनी बार गुणा करना है जितनी बार वह आया है) दी गयी संख्या के बराबर हो तथा (2) प्रत्येक गुणनखण्ड अभाज्य संख्या हो.

अक्षरांक (D)

इस उदाहरण में केवल अक्षरांक D की संख्या उपर्युक्त दोनों शर्तों को पूरा करती है.

उदाहरण 2. (योग का परीक्षण करना)

पहली चार विषम संख्याओं का औसत क्या है ?

(A) 2.5 (B) 4

(C) 5 (D) 16

व्याख्या–पहली चार विषम संख्याएं हैं 1, 3, 5 तथा 7 इसलिए उनका औसत हुआ $(1 + 3 + 5 + 7)/4 = 4$ अर्थात् **अक्षरांक** (B) सही उत्तर है.

उदाहरण 3. (अनुप्रयोग का परीक्षण करना)

1 किलोमीटर लम्बी मालगाड़ी 3 मिनट प्रति किलोमीटर की गति से दौड़ रही है. 2 किलोमीटर गुफा पार करने में इस गाड़ी को कितना समय लगेगा ?

(A) 1 मिनट (B) 3 मिनट

(C) 6 मिनट (D) 9 मिनट

व्याख्या–गुफा 2 किलोमीटर लम्बी है और गाड़ी 1 किलोमीटर. इस गुफा को पार करने के लिए गाड़ी को 3 किलोमीटर का फासला तय करना होगा. 3 मिनट प्रति किलोमीटर की गति से दौड़कर गाड़ी गुफा को 9 मिनट में पार करेगी. अतः विकल्प D सही उत्तर है.

उदाहरण 4. (अनुप्रयोग का परीक्षण करना)

3 मी × 1 मी × 50 सेमी नाप के लकड़ी के लट्ठे में से 25 सेमी × 20 सेमी × 10 सेमी नाप के लकड़ी के कितने वर्गाकार टुकड़े निकलेंगे ?

(A) 3000 (B) 300

(C) 30 (D) 3

व्याख्या–लकड़ी के लट्ठे का आयतन 300 सेमी × 100 सेमी × 50 सेमी = 1500000 घन सेमी है. एक वर्गाकार लकड़ी के टुकड़े का आयतन 25 सेमी × 20 सेमी × 10 सेमी = 5000 घन सेमी. इसलिए लकड़ी के टुकड़ों की संख्या = 1500000/5000 = 300 होगी. अतः सही उत्तर विकल्प B है.

संलग्नक–ग

भाषा परीक्षा

गद्यांश

एक दिन एक व्यापारी भगवान बुद्ध के पास गया और उन्हें गाली देने लगा. व्यापारी ने उन पर गालियों के ढेर लगा दिए पर भगवान बुद्ध चुप रहे. जब व्यापारी रुका, तो भगवान बुद्ध ने उससे पूछा– ''भाई, क्या कभी आप अपने घर पर अतिथियों का स्वागत करते हैं ? उसने उत्तर दिया–हाँ, करता हूँ.'' तब भगवान बुद्ध ने पूछा–''क्या आप उन्हें भोजन देते हैं. व्यापारी ने कहा–हाँ'' तब भगवान बुद्ध ने फिर पूछा–''यदि वे आपकी दी हुई चीज स्वीकार न करें, तो क्या होता है.'' व्यापारी ने कहा, ''क्या मजाकिया सवाल है. यदि वे उसे स्वीकार नहीं करते तो हमारा भोजन हमारे पास रह जाता है.'' भगवान बुद्ध ने तब नम्र वाणी में कहा, ''जो कुछ तुमने मुझे दिया, वह तुम्हारे पास ही है.'' व्यापारी लज्जित हुआ और उसने कसम खाई कि वह भविष्य में बुरी भाषा का प्रयोग नहीं करेगा.

1. जब व्यापारी ने भगवान बुद्ध को गाली दी, तो—

(A) उन्होंने उसे भोजन दिया

(B) वे क्रोधित हुए

(C) वे मुस्कुराए

(D) वे चुप रहे

सही उत्तर विकल्प (D) है.

2. यद्यपि व्यापारी ने भगवान बुद्ध को गालियाँ दीं, लेकिन उन्होंने उसे भाई कहा. यह बात भगवान बुद्ध की कौनसी विशेषता थी ?

(A) महानता

(B) कायरता

(C) चतुराई

(D) उदासीनता

सही उत्तर विकल्प (A) है.

3. व्यापारी ने भगवान बुद्ध को गाली देना बन्द कर दिया, क्योंकि—

(A) उसने गाली देना बेकार समझा

(B) वह गाली देते-देते थक गया

(C) उसे कोई उत्तर नहीं मिला

(D) वह अपने पर लज्जित हुआ

सही उत्तर विकल्प (C) है.

4. इस गद्यांश को लिखने का लेखक का क्या उद्देश्य है ?

(A) व्यापारी की मूर्खता का वर्णन करना

(B) भगवान बुद्ध की चतुराई बताना

(C) भगवान बुद्ध की सहनशीलता दिखाना

(D) व्यापारी की महानता दिखाना

सही उत्तर विकल्प (C) है.

5. भगवान बुद्ध का उत्तर सुनकर, व्यापारी (ने)—

(A) अपमानित हुआ

(B) फिर गाली न देना तय किया

(C) बहुत क्रोधित हुआ

(D) बहुत रुष्ट हुआ

सही उत्तर विकल्प (B) है.

प्रान्तवार जवाहर नवोदय विद्यालयों की संख्या

नवोदय विद्यालय योजना के अनुसार प्रत्येक जिले में एक विद्यालय, चरणबद्ध ढंग से खोला जाएगा. भारत में 27 राज्यों और 8 संघ शासित प्रदेशों में कुल 649 = (626 + 20** + 3*) नवोदय विद्यालय स्वीकृत हैं जिसमें 629 विद्यालय कार्यरत् हैं. जवाहर नवोदय विद्यालयों की संख्या इस प्रकार है–

1. आंध्र प्रदेश	13+2**	12. गुजरात	33+1**	26. नगालैण्ड	11
2. असम	26+1**	13. हरियाणा	21	27. ओडिशा	30+1**
3. अरुणाचल प्रदेश	17	14. हिमाचल प्रदेश	12	28. पंजाब	22+1**
4. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	03	15. लद्दाख	02	29. पुदुचेरी	04
5. बिहार	38+1**	16. जम्मू और कश्मीर	19+1**	30. राजस्थान	33+2**
6. चंडीगढ़	01	17. झारखण्ड	24+2**	31. सिक्किम	04
7. छत्तीसगढ़	27+1**	18. कर्नाटक	30+1**	32. त्रिपुरा	08
8. दिल्ली	02	19. केरल	14	33. तेलंगाना	09
9. दादरा और नागर हवेली एवं दमन और दीव	03	20. लक्षद्वीप	01	34. उत्तर प्रदेश	75+1**
10. पश्चिम बंगाल	17+1**	21. मध्य प्रदेश	51+2**+1*	35. उत्तराखण्ड	13
11. गोआ	02	22. महाराष्ट्र	33+1**	**कुल**	**626+20**+1* = 649**
		23. मणिपुर	09+2**		
		24. मेघालय	11+1**		
		25. मिजोरम	08		

** अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की अधिक जनसंख्या संकेन्द्रण वाले जिलों हेतु स्वीकृत अतिरिक्त ज.न.वि.

* अतिरिक्त विशिष्ट जवाहर नवोदय विद्यालय

योग्य अभ्यर्थियों की उपलब्धतानुसार, प्रत्येक विद्यालय में अधिक-से-अधिक 80 विद्यार्थियों को छठी कक्षा में प्रवेश दिया जाता है. समिति को यह अधिकार होगा कि पर्याप्त भवन उपलब्ध न होने की स्थिति में सम्बन्धित जिले में प्रवेश हेतु छात्र संख्या में कमी करके 40 कर दे अथवा चयन परीक्षा अथवा प्रवेश अथवा उसका परिणाम रोक दे.